



विधवा सहेली की अन्तर्वासना-2

“मैं अपनी गर्लफ्रेंड की सहेली को लेकर पचमढ़ी पहुँच गया। अगले 6 दिनों तक हम दोनों ने वहाँ होटल के कमरे में सेक्स का पूरा मजा लेना था। पहली चूत चुदाई मैंने कैसे की ? ...”

Story By: (mushkann)

Posted: Friday, February 14th, 2020

Categories: [चुदाई की कहानी](#)

Online version: [विधवा सहेली की अन्तर्वासना-2](#)

विधवा सहेली की अन्तर्वासना-2

❓ यह कहानी सुनें

मेरी सेक्सी कहानी के पहले भाग में आपने पढ़ा कि किस तरह मैं अपनी गर्लफ्रेंड की सहेली को लेकर पचमढ़ी पहुँच गया।

अब अगले 6 दिनों तक हम दोनों को वहीं रहना था और एक दूसरे का साथ देते हुए सेक्स का पूरा मजा लेना था।

तो चलते हैं आगे की कहानी की तरफ।

जैसे ही हम कमरे के पास पहुँचे मैंने सुमन का हाथ पकड़ लिया और रुकने के लिए कहा। फिर मैंने उसकी आँखों को बंद किया और कमरे का दरवाजा खोल कर अंदर ले गया।

और जैसे ही मैंने सुमन की आँखें खोली वो बिल्कुल चौंक गई।

पूरा बिस्तर फूलों से सजा हुआ था और पूरे कमरे में एक उत्तेजक खुशबू फैली हुई थी। सामने टेबल पर वाइन की बोतल और दो ग्लास रखे थे। बिल्कुल ऐसा नजारा था जैसे आज हमारी सुहागरात हो।

दोस्तो, इसीलिए मैंने उस वेटर को पैसे दिए थे।

मैंने सुमन को अपनी बांहों में लिया और बोला- जान, सालों बाद आज तुम्हारी फिर से सुहागरात है। तुम ये मत समझो कि मैं बस तुम्हें सेक्स करने के लिए यहाँ लाया हूँ मैं चाहता हूँ कि तुम्हें कुछ खुशी दे पाऊँ।

मैंने उसे बिस्तर पर बैठाया और फिर उसके बगल में बैठ कर दोनों ग्लास में वाइन तैयार

की।

और फिर हम दोनों ने धीरे धीरे वाइन पीना शुरू किया।

3 पेग के बाद सुमन ने मना कर दिया पर मैंने एक और पेग पिया।

अब हम दोनों को ही दोहरा नशा था, एक तो वाइन का और दूसरा चुदाई का।

मैंने देखा सुमन मुझे काफी प्यास भरी नजर से देख रही थी।

मैंने सुमन के चेहरे को दोनों हाथों से थामते हुए उसकी गहरी आँखों में देखते हुए कहा-
लगता है तुम बहुत प्यासी हो।

मगर उसने कुछ जवाब नहीं दिया।

मैंने कहा- तुमने मैंने इसलिये शराब पिलाई ताकि तुम्हारे अंदर की शर्म निकल जाये। तुम
खुलकर मुझसे बात करो, मेरा साथ दो।

वो मुस्कराते हुए बोली- मैं नहीं शर्माऊँगी. जो बोलना है बोलो. जो करना है करो. अब मैं
तुम्हारी हूँ।

मैंने भी उसके गाल को चूमते हुए कहा- आज तुझे खा जाऊँगा !

“खा जाओ।”

“तेरी हर प्यास बुझा दूँगा।”

“बुझा दो न !”

अब मैं उस पर टूट पड़ा उसके होंठों को चूमने लगा वो भी अपनी जीभ निकाल कर मेरा
साथ देने लगी।

एक झटके में मैंने उसे खड़ी कर दिया और बांहों में भर कर उसे चूमने लगा। कुछ देर में
उसकी साड़ी जमीन पर थी।

एक हाथ उसके गांड पर लगा कर उसे अपनी ओर खींच लिया और उसका ब्लाउज़ खोल दिया। उसके दूध ब्रा को फाड़ कर बाहर निकल जाने को बेताब थे। उसके गोंरे गोंरे दूध देख मेरा लंड फड़फड़ाने लगा।

मैंने तुरंत अपनी शर्ट और बनियान उतार फेकी और दोनों हाथों से उसके ब्रा के हुक खोल दिए। अब उसके दोनों दूध आजाद होकर मेरी तरफ तन गए। कसम से उसे देखकर नहीं लग रहा था कि वो एक बेटी की माँ होगी। बिल्कुल कड़े और सुडौल दूध थे उसके! और उण पर गुलाबी निप्पल कयामत ढा रहे थे।

मैंने उसे तुरंत अपने सीने से लगा लिया।

गजब का गर्म जिस्म था उसका उसके दूध सीधे मेरे सीने से चिपक गए।

दोनों हाथों से उसकी गोरी पीठ को सहलाते हुए मैं बोला- यार तुम कितनी मस्त हो!

तुमको तो अच्छे अच्छे लोग चोदना चाहते होंगे।

वो बोली- अच्छे हो या बुरे ... अब तो तुम हो जितना चोदना है, चोद लो मुझे।

“फट जाएगी तेरी!”

“तो फाड़ दो न!”

“कितनी प्यासी हो तुम!”

“बहुत ज्यादा ... आज हर प्यास बुझा दो मेरी।!”

मैंने उसके पेटिकोट को खोल दिया और वो नीचे पैरों पर गिर गया। अब वो बस चड्डी में ही थी।

उसके होंठों को चूमते हुए मैं एक हाथ उसकी गांड की तरफ से चड्डी में डाल कर उसके चूतड़ों को सहलाने लगा।

कसम से उसकी हर चीज़ किसी कुंवारी लड़की को फेल करने के लायक थीं। इतना अच्छा फिगर तो मुस्कान का भी नहीं था।

उसके बड़े बड़े चूतड़ों को हाथों से मसलने का मजा ही और था। उसी हालत में मैंने उसके होंठों को चूमना शुरू कर दिया। उसने भी मेरा साथ देते हुए अपनी जीभ मेरी जीभ से लड़ानी शुरू कर दी।

कसम से ऐसी औरत को चोदने का मजा ही अलग होता है जो खुल कर साथ दे।

कुछ देर में मैंने अपनी पैंट उतार दी और मेरा लौड़ा चड्डी के अंदर से ही उसकी मोटी जांघों को सहलाने लगा। हम दोनों एक दूसरे को बांहों में भर कर एक दूसरे के होंठों को चूमे जा रहे थे।

फिर मैंने झुक कर उसके दोनों दूध को अपने हाथ में लिया और गोल गोल करते हुए सहलाने लगा।

इतने में ही उसके मुह से निकलने लगा- ओऊऊ ऊऊआआ आहहह जाआआन आआऊऊच!

उसका एक दूध मेरे दोनों हथेलियों में भी नहीं आ रहा था।

मुझे उसके बदन में उसके दूध, उसकी गांड और उसकी मोटी गोरी जांघें बहुत पसंद आयीं।

मैंने उसके गुलाबी निप्पल को मुख में लेकर चूमना शुरू किया और एक हाथ से इसके चूत को चड्डी के ऊपर से ही सहलाने लगा। उसकी चड्डी सामने से बिल्कुल गीली हो गई थी।

एक हाथ से मैंने उसकी चड्डी को नीचे खिसका दिया। और बाकी काम उसने ही किया और अपनी चड्डी के साथ साथ मेरी भी उसने उतार दी। अब हम दोनों बिल्कुल नंगे थे।

मेरे दोनों हाथ उसकी पीठ कमर और गांड पर फिर रहे थे। और सामने से मैं उसके दूध को मसलते हुए चूमता जा रहा था। मुझे उसे छोड़ने का मन ही नहीं कर रहा था।

वह भी अपना हाथ अब मेरे लंड पर ले गई। मेरे मोटे लंड को पकड़ते ही उसके मुख से निकला- बाप रे!

मैंने भी पूछा- क्या हुआ ?

“तुम तो मेरी फाड दोगे इतना मोटा है तुम्हारा।”

“नहीं कुछ नहीं होगा. तुम बस मजा लो इसका।”

कुछ देर में ही वो मेरे सीने पर चूमते हुए नीचे की ओर जाने लगी। और मेरे लंड पर पहुंच कर उसे पहले हाथ से हिलाने लगी फिर होंठों से चूमते हुए उसके सुपारे को मुख में भर कर किसी आइसक्रीम की तरह चूसने लगी।

उसकी इस अदा पर मेरा दिल आ गया सच में क्योंकि उसके लंड चूसने का अंदाज ही निराला था।

मुझे लगा कि मैं जल्द ही झड़ जाऊँगा मैंने तुरंत उसे उठाया और बिस्तर पर लेटा दिया और उसके ऊपर 69 की पोजीशन में लेट गया।

उसने तुरंत मेरा लंड थाम लिया और मुख में भर लिया।

मैंने भी उसकी चूत के पहले दीदार किये।

सच में जितनी मस्त वो थी, वैसी ही उसकी चूत थी। देख कर यही लगा कि ये किसी कुंवारी लड़की की चूत है। क्योंकि उसे चुदे हुए 10 साल हो चुके थे।

मैंने दोनों हाथों से चूत की फांकों को फैलाया उसका छोटा सा छेद मेरे सामने था।

चूत पर एक भी बाल नहीं था, लगता था आज ही साफ किये थे।

हल्के काले रंग की उसकी चूत कमाल की लग रही थी। उस पर एक काले रंग का तिल था

जैसे उस चूत को नजर से बचा रहा हो।

मैंने अपनी जीभ निकाल कर उसे चाटना शुरू किया।

उसकी जाँगहें अपने आप काँपने लगी। उसने भी लंड चूसने की रफ्तार तेज कर दी। मैं भी उसकी चूत में जीभ डाल डाल कर चाट रहा था।

2 मिनट में ही वो झड़ गई, मैं फिर भी रुका नहीं और बस चाटना जारी रखा।

कुछ देर में वो फिर से गर्म हो गई थी अब मुझसे भी रहा नहीं जा रहा था।

मैं सीधा हुआ और उसके ऊपर लेट गया। मेरा लंड उसकी चूत के ठीक सामने था। उसके दूध मेरे सीने से दबे हुए थे।

उसने अपने दोनों पैर अपने आप ही फैला दिए और अपने दोनों हाथ मेरी पीठ पर रख दिए।

मैंने एक बार फिर उसके मुलायम होंठों को चूमते हुए पूछा- क्या विचार है ? डाल दूँ ?

“हां डाल दो।”

“सच में ?”

“हां सच में।”

मैंने अपना लंड उसकी फुली हुई चूत पर सेट किया और अपने दोनों हाथों को उसकी पीठ पर ले जा कर उसे अपने सीने से चिपका लिया। पहले मैंने हल्का सा धक्का देकर सुपारे को थोड़ा अन्दर किया।

इतने में ही उसके मुँह से निकला- मम्मीईईई आआ आअह्हह !

“क्या हुआ ?”

“कुछ नहीं ... दर्द हुआ।”

मैंने उसके गाल पे चूमते हुए कहा- कुछ नहीं जान, इतने दिनों में लंड जा रहा है न!
वो बोली- कुछ नहीं, तुम करो, मैं सह लूंगी।

मैंने भी जोश में आकर एक जोरदार शॉट लगा दिया।

“ऊऊईईई ईई उम्मह... अहह... हय... याह... माँआआअ आआअह्ह नहीईई ईईईई
आआअह छोड़ोओओ ओओओ नहीईईईइ!”

मेरा लंड उसकी पुट्टी को चीरता हुआ सीधे उसके बच्चेदानी से टकराया था।
अब तो मैंने दनादन 8-10 धक्के लगा दिए। उसकी चूत में मेरा लंड बिल्कुल सेट हो गया
था।

मैंने उसकी आँख में आँख डाल कर कहा- माँ कसम, क्या चूत है तुम्हारी! लग ही नहीं रहा
है कि तुम शादीशुदा हो।

“तुम्हारा लंड भी तो इतना तगड़ा है। जान निकाल दी मेरी। इतनी जोर से क्यों डाला?”

“क्या करूँ ... रहा नहीं गया जान! अब ठीक हो न?”

“हां।”

“अब चोदूँ?”

वो भी मुस्कान के साथ बोली- हां, चोद दो।

इतना सुनते ही मेरी गाड़ी चल पड़ी।

और सीधा हाई स्पीड पर।

वो तो बस आआआ आआ आअहह मम्ममीईईई आ आआआह्ह ह्ह्ह ऊऊऊईईई
छोड़ोओओ ओओओ नहीईईई बसस्स स्सस् बस्सस् नहीईईई ईईईई बसस्स स्स् अह्हह
आआअह्ह ऊऊईईई!

लगातार 5 मिनट तक उसको फुल स्पीड पर चोदने के बाद मैं उसके अन्दर ही झड़ गया। हम दोनों पसीने से तर हो गए। हम दोनों की तेज़ साँसों की आवाज़ पूरे कमरे में गूँज रही थी। हम दोनों एक दूसरे की आँखों में देखे जा रहे थे।

मेरा लंड अभी भी सुमन की चूत में ही था।

मैंने उसके होठ को चूमते हुए पूछा- कैसा लगा ?

“बहुत बहुत अच्छा। सच में तुम इतने दिनों की प्यास बुझा दी आपने !”

“अभी कहाँ ... अभी तो शुरुआत है। अब तो जब तुम बोलोगी मैं हाज़िर हो जाऊँगा।

तुमको चोदना मेरे लिए किस्मत की बात है।”

“मैं इतनी पसंद आई तुमको ?”

“तुम माल हो माल ... तुमको तो हर आदमी चोदना चाहे। इसलिए तो तुमको इतनी दूर लेकर आया हूँ कि तुम्हारा हर तरह से मजा ले सकूँ।”

“क्या तुम हमेशा मेरी प्यास ऐसे ही बुझाते रहोगे ?”

“हाँ ... जब भी तुम बोलोगी।”

फिर उसने मुझे अपने ऊपर से उठने के लिए कहा और वो उठ कर बाथरूम जाने लगी।

मैंने तुरन्त उसे गोद में ले लिया और बाथरूम ले गया।

वहाँ उसने मेरे सामने ही बैठ कर पेशाब किया। श्सीसीई शीईईई की आवाज़ के साथ तेज़ धार निकली।

फिर मैंने भी उसके सामने ही पेशाब किया।

और दोनों बिस्तर पर कर लेट गए।

इसके बाद क्या क्या हुआ दोस्तो ? कहानी के अगले भाग में पढ़ें !

mushkann85@gmail.com

Other stories you may be interested in

पहली बार गांड मरवाने का सुख

दोस्तो, मैं आप लोगों के सामने अपनी आज एक सेक्स कहानी लेकर आया हूँ. मैं दिल्ली से हूँ. मेरी हाइट 5 फुट 3 इंच है. मैं 26 साल का हूँ, थोड़ा सांवला हूँ. वैसे तो मैंने बहुत लड़कियों और भाभियों [...]

[Full Story >>>](#)

विधवा सहेली की अन्तर्वासना-1

दोस्तो, आप सभी की मुस्कान हाज़िर है फिर से अपनी एक नई कहानी लेकर। मेरी पिछली सभी कहानियों को आप लोगों ने बहुत पसंद किया उसके लिए आप लोगों का दिल से धन्यवाद। कुछ दिन पहले मेरी सेक्स कहानी मेरी [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी बहन और जीजू की अदला-बदली की फैंटेसी-13

इस मस्त सेक्स कहानी के पिछले भाग में अब तक आपने पढ़ा कि हम सभी लोग समुद्र तट पर गोम खेल रहे थे और आलिया मुझे अपने मम्मे दिखा कर बहकाने की कोशिश कर रही थी, लेकिन मैं इस बार [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी बहन और जीजू की अदला-बदली की फैंटेसी-10

अब तक की इस फंतासी सेक्स कहानी में आपने पढ़ा कि रात को तीनों लड़कियों की चुदाई नहीं हो सकी थी. उन तीनों ने दारू की बोतल में वियाग्रा मिला कर पीने को दे दी थी. उधर लंड हाथ से [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी बहन और जीजू की अदला-बदली की फैंटेसी-8

अब तक की मेरी इस मस्त सेक्स कहानी में आपने पढ़ा कि आज मालदीव में हम तीन कपल यानि तीन लड़के और तीन लड़कियां आपस में ग्रुप सेक्स का मजा करने पहुँच चुके थे. मेरे पास आकाश की बीवी नताशा [...]

[Full Story >>>](#)

